परमेश्वर शिक्षक है

स्तुति - परमेश्वर, उसके गुण, उसके नाम व उसके स्वभाव की स्तुति।

विशेषता: परमेश्वर मेरा शिक्षक है।

परिभाषा: जो ज्ञान, मार्गदर्शन या ज्ञान प्रदान करता है।

शास्त्र(ओं): अय्यूब 36:22; भजन संहिता 32:8; यशायाह 48:17

कबुल - धीमे स्वर में, कबूल करना

इसलिए, मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं, जिससे प्रभु के सम्मुख से विश्रांति के दिन आएं।
- प्रेरितों के काम 3:19

धन्यवाद - यहोवा ने हमारे लिए जो कुछ किया है, उसके लिए धन्यवाद करो।

क्योंकि यहोवा भला है, उसकी करुणा सदा के लिए, और उसकी सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बानी रहती है।।
- भजन संहिता 100:5

मध्यस्थता - अपने बच्चों के लिए

पवित्र शास्त्र: हे यहोवा, तू अपने मार्ग _____ को दिखला; अपना पथ उसको बता दे। अपने सत्य पर उसको चला और शिक्षा दे, क्योंकि तू ही उद्धार करने वाला परमेश्वर है; वह दिनभर तेरी बाट जोहता रहता है। - भजन संहिता 25:4-5

बच्चों से सम्बंधित चिंता:

1. आपके छेत्र के स्कूलों की सूचि / आपको ज्ञात है, विद्यालय परिसर में बेदारी और आत्मिक जाग्रति
(अन्य चिंताओं, अर्थात सुरछा)

नोट: कृपया अपने आस-पास के स्कूलों की एक सूचि बनाये रखें। लगभग 40 स्कूल, तो आप प्रति सप्ताह 10 स्कूलों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं।

व्यक्तिगत चिंता: मैं _____ उत्साह के साथ सेवा कर पाऊँ, और इस सेवा को मनुष्यों की नहीं, परन्तु प्रभु की जानकार सुइच्छा से करूँ। - इफिसियों 6

मिपी चिंता: माताओं की प्रार्थना सेवा में, स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर अधिक स्वयंसेवी सहायता के लिए प्रार्थना करें।

याद रखें, इस समूह में जो प्रार्थना की जाती है, इसके भीतर ही रहता है!

Moms in Prayer INTERNATIONAL
MomsInPrayer.org